भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3572

उत्तर देने की तारीख-02.04.2025

विद्यार्थियों में तनाव का स्तर

3572 **डा. अजित माधवराव गोपछड़े**:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि विद्यार्थियों में तनाव का स्तर कई कारणों से बढ़ रहा है, यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई शोध किया गया है;
(ख) क्या सरकार के पास विद्यार्थियों की आत्महत्याओं के संबंध में विशिष्ट आँकड़े तथा विगत तीन वर्षों के राज्य-वार आंकड़े हैं;
(ग) क्या विशेष तौर पर विद्यार्थियों के तनाव को कम करने के संबंध में राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा की गई है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या विद्यार्थियों में तनाव के स्तर को कम करने के लिए कोई कार्य योजना बनाई गई है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): शिक्षा समवर्ती सूची में है, इसलिए छात्रों में तनाव के स्तर के मुद्दे का समाधान करना केंद्र और राज्यों की साझा जिम्मेदारी है। शिक्षा मंत्रालय देश भर में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। छात्रों में तनाव की समस्या, जो अवसाद और आत्महत्या का कारण बनती है, के समाधान के लिए सरकार बहुआयामी उपाय कर रही है तथा आत्महत्या की घटनाओं से बचने के लिए छात्रों, शिक्षकों और परिवारों को मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान कर रही है। मंत्रालय की एक पहल, मनोदर्पण, कोविड प्रकोप के दौरान और उसके बाद भी छात्रों, शिक्षकों तथा परिवारों को मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए कई तरह की गतिविधियों को शामिल करती है। देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने के लिए वर्ष 2022 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" शुरू किया गया है। आज की तारीख तक की स्थिति के अनुसार, 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने सभी राज्यों में 53 टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और नेटवर्किंग (मानस)

सेल स्थापित किए हैं। हेल्पलाइन नंबर पर आज की तारीख तक 19.90 लाख से ज्यादा फोन कॉल के उत्तर दिए गए हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) पुलिस द्वारा दर्ज आत्महत्या के मामलों से आत्महत्याओं के आंकड़े एकत्र करता है। देश में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या से संबंधित आंकड़ों का व्यापक विश्लेषण राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा प्रकाशित भारत में वार्षिक आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट में किया जाता है। छात्रों की आत्महत्या का वर्ष-वार एवं राज्य-वार संबंधी विवरण एडीएसआई रिपोर्ट में उपलब्ध है जिसे https://ncrb.gov.in/accidental-deaths-suicides-in-india-year-wise.html पर देखा जा सकता है।

यूजीसी ने उच्चतर शिक्षण संस्थानों में शारीरिक फिटनेस, खेल, छात्र स्वास्थ्य, कल्याण, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 13.04.2023 को दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें छात्रों के लिए शारीरिक फिटनेस और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने; शैक्षणिक दबाव, सहपाठियों के दबाव, व्यवहार संबंधी मुद्दों, तनाव, कैरियर की चिंताओं, अवसाद और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अन्य मुद्दों के प्रति सुरक्षा उपाय करने; छात्र समुदाय में सकारात्मक सोच और भावनाएं सृजित करने और छात्रों के लिए एक सकारात्मक और सहायक नेटवर्क को बढ़ावा देने के लिए प्रावधान हैं।

मंत्रालय ने दिनांक 10.07.2023 को उच्चतर शिक्षण संस्थानों में छात्रों के भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक व्यापक रूपरेखा भी प्रसारित की है, जिसमें संस्थागत कामकाज में इसे शामिल करने और छात्र समुदाय में आत्मविश्वास की भावना पैदा करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। तदनुसार, आईआईटी मद्रास, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी गांधीनगर और आईआईटी रुड़की ने मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर कार्यशालाएँ आयोजित की हैं, जिसमें आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई शैक्षणिक संस्थानों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, यह सुनिश्चित करने के लिए कि अधिगम वातावरण आकर्षक और सहायक हो, उच्चतर शिक्षा विभाग ने मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तहत सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की शुरुआत की। इसमें ऑनलाइन और व्यक्तिगत सत्र, नवीन मानसिक स्वास्थ्य पद्धतियों वाले संस्थानों का दौरा तथा वार्षिक राष्ट्रीय कल्याण सम्मेलन शामिल हैं। इसका लक्ष्य छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सरोकारों का शीघ्र समाधान करने के लिए संकाय सदस्यों को सशक्त बनाना है। अब तक 160 से अधिक केंद्रीय वित्त पोषित उच्चतर शिक्षण संस्थानों के 1,397 संकाय सदस्यों ने 20 ऑनलाइन सत्रों में भाग लिया है।

*****